MSB
Class X
Hindi
Sample Paper

Time: 3 hrs **Total Marks: 100**

सूचनाएँ:

1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य [24]

प्रश्न 1.

(क) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [8]

1) आकृति पूर्ण कीजिए। [2]

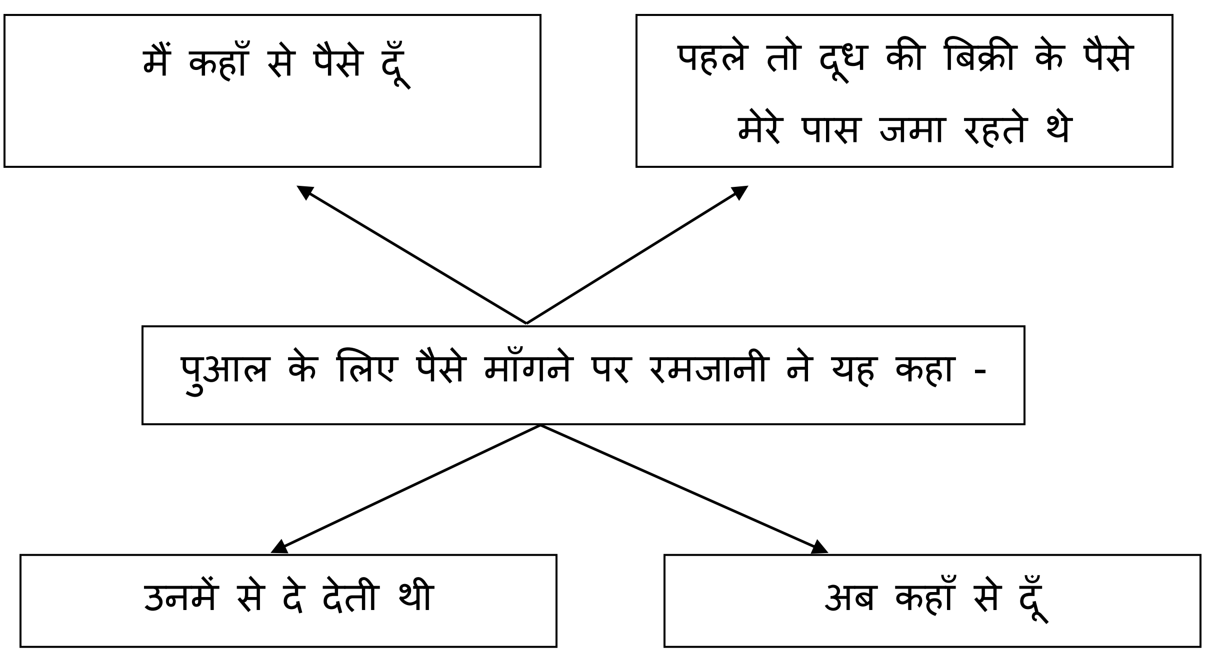

उसके साथी नईम ने उसे कुछ परेशान देखा तो पूछा - "करामत मियाँ, क्या बात है, बड़े परेशान नज़र आते हो? खैरियत तो है?"

"ऐसी कोई विशेष बात नहीं है।

"कुछ तो होगा।"

"क्या बताऊँ। गाय ने दूध देना बंद कर दिया है, बूढ़ी हो गई है। बैठाकर खिलाना पड़ेगा और इस जमाने में गाय-भैंस पालने का खर्चा...।"

"इसमें परेशान होने की क्या जरूरत है? गाय बेच दो।"

करामत अली ने हौका भरते हुए कहा, "हाँ, परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। बहुत आसान तरीका है। लक्ष्मी को बेच दिया जाए।"

वह नईम के पास से हटकर अपने काम में जुट गया।

करामत अली रात का गया सवेरे कारखाने से घर लौटा। रात की ड्यूटी से घर लौटने पर ही वह लक्ष्मी को दुहता था। घर में घुसते ही उसने रमजानी से पूछा - "क्या लक्ष्मी को अभी तक चारा नहीं दिया?"

रमजानी बोली - "रहमान से कहा तो था।"

"तुम दोनों की मर्जी होती तो गाय को अब तक चारा मिल चुका होता। अगर वह दूध नहीं दे रही है तो क्या उसे भूखा रखोगे?" कहते हुए करामत कटा हुआ पुआल, खली और दर्रा आदि ले जाकर लक्ष्मी के लिए सानी तैयार करने लगा।

लक्ष्मी उतावली-सी तैयार हो रही सानी में मुँह मारने लगी।

गाय को सानी देकर करामत अली उसकी पीठ देखने लगा। रोगन ने अच्छा काम किया था। दाग कुछ हल्के पड़ गए थे।

दस-पंद्रह दिनों से यों ही चल रहा था। एक दिन जब करामत अली ने पुआल लाने के लिए रमजानी से पैसे माँगे तो वह बोली, "मैं कहाँ से पैसे दूँ? पहले तो दूध की बिक्री के पैसे मेरे पास जमा रहते थे। उनमें से दे देती थी। अब कहाँ से दूँ?"

"लो, यह राशन के लिए कुछ रुपये रखे थे।" कहते हुए रमजानी ने संदूकची में से बीस का एक नोट निकालकर उसे थमाते हुए कहा, "इससे लक्ष्मी का राशन ले आओ।"

2) कारण लिखिए : [2]

(i) करामत अली लक्ष्मी के लिए सानी तैयार करने लगा।

उत्तर : सुबह से रमजानी या रहमान किसी ने भी लक्ष्मी को चारा, दर्रा कुछ भी नहीं दिया था। लक्ष्मी बहुत भूखी थी।

(ii) करामत अली लक्ष्मी को बेचना नहीं चाहता था।

उत्तर : करामत अली जानता था कि बूढ़ी लक्ष्मी को अगर कोई खरीदेगा तो वह उसे काट-काटकर बेचने के लिए ही खरीदेगा।

3) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए : [2]

(i) नईम ने पूछा, करामत अली बड़े <u>परेशान</u> नज़र आते हो। (चिंतित/दुखी/परेशान)

(ii) करामत अली <u>नईम</u> के पास से हटकर अपने काम में जुट गया। (<u>नईम</u>/सईद/सलीम)

(iii) करामत अली रात का गया सवेरे <u>कारखाने</u> से घर लौटा। (गाँव/कारखाने/शहर)

(iv) इससे लक्ष्मी का <u>राशन</u> ले आओ। (राशन/खूँटा/रस्सा)

4) मानव और पशु के संबंध के विषय में 6 से 8 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। [2]

पशु हमेशा मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक रहे हैं; मनुष्य ने हमेशा से जानवरों का उपयोग किया है। एक साथ बिताए समय को देखते हुए, जानवरों और मनुष्यों ने संबंधों और संबंधों को विकसित किया है। आज, लाखों पालतू जानवर हैं। ये जानवर प्रत्येक परिवार का एक हिस्सा बन जाते हैं, जिनके द्वारा उनकी देखभाल की जाती है। लोग अपने पालतू जानवरों को परिवार की तरह प्यार करते आए हैं। मनुष्य और जानवरों के बीच विकसित होने वाले बंधन और रिश्ते मानव से मानव की तरह हैं।

(ख) 1) परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [8]

1) संजाल पूर्ण कीजिए: [2]

अंजुना बीच की विशेषता
- नीले पानीवाला
- पथरीला और खूबसूरत
- इसके एक ओर लंबी पहाड़ी
- काले पत्थर

सबसे पहले हम अंजुना बीच पहुँचे। गोवा में छोटे-बड़े करीब 40 बीच हैं लेकिन मुख्य सात या आठ ही हैं। इसके एक ओर लंबी-सी पहाड़ी है, जहाँ से बीच का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। समुद्र तक जाने के लिए थोडा नीचे उतरना पड़ता है। नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है। पानी ने काट-काटकर इन पत्थरों में कई छेद कर दिए हैं जिससे ये पत्थर कमजोर भी

हो गए हैं। साथ ही समुद्र के काफी पीछे हट जाने से कई पत्थरों के बीच में पानी भर गया है।

2) i) **'दृश्य'** शब्द का विलोम,पर्यायवाची,उपसर्ग और प्रत्यय युक्त शब्द लिखिए। [2]

शब्द	विलोम	पर्यायवाची	उपसर्ग	प्रत्यय
दृश्य	श्रव्य	नजारा	अदृश्य	दृश्यता

ii) निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा और विशेषण शब्द पहचानें। [2]

नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है।

संज्ञा	पानी, पत्थर
विशेषण	नीला, काले

3) आपके देखे हुए किसी प्राकृतिक स्थल का वर्णन करें। [2]

उत्तर : छुट्टी में हम सब घूमने जाते हैं। हम हर बार नाना-नानी के घर पर जाते हैं। लेकिन इस बार हम शिमला यात्रा पर गए थे। यह यात्रा हमने ट्रेन और बस से की। हमने ट्रेन में भी पर खूब मस्ती की। और इसी तरह रास्ते के दृश्यों का आनंद उठाते हुए हम पहुँच गए खुबसूरत शहर शिमला।

शिमला पर्वत पर बसा हुआ शहर है। पर्वतीय स्थल होने के कारण शिमला का मौसम सभी ऋतुओं में बहुत सुहावना होता है। यहाँ के पर्वतों पर पहुँच कर मुझे स्वर्गीय आनंद की अनुभूति होने लगी। चारों और ऊँचे-ऊँचे बर्फ से पहाड़ों तो मन को जैसे अपने वश में ही कर लिया हो। मेरी यात्रा शीत में होने के कारण शिमला बर्फ से ढँका हुआ था। शिमला के प्रसिद्ध स्थान रिज पर, जो कि बहुत

ऊँचाई पर है, पर्यटकों का जमावड़ा लगा हुआ था। शिमला का जाखू पर्वत भी काफी लोकप्रिय है। वहाँ एक हनुमान मंदिर भी है जिसमें एक बहुत ऊँची प्रतिमा स्थित है। इतने कम तापमान की आदत न होने के कारण थोड़ी बहुत कठिनाईयों के बावजूद शिमला भ्रमण एक यादगार भ्रमण था।

(ग) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

मनुष्य सामाजिक प्राणी है क्योंकि समाज के बिना उसका जीवन अधूरा है। समाज में रहते हुए उसे अपने सुख-दुख को कहने-सुनने तथा विचारों का आदान-प्रदान करने एवं कार्यो में सहयोग लेने के लिए दूसरों की आवश्यकता पड़ती है जिससे वह दिल खोलकर अपनी सब बातें कर सके। ऐसा व्यक्ति ही मित्र कहलाता है। मित्र का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए। कुछ लोग किसी की बाहरी चमक-दमक, बोल-चाल तथा आर्थिक स्थिति को देखकर उससे मित्रता कर लेते हैं। इस प्रकार की मित्रता अधिक दिनों तक नहीं चलती। सच्चे मित्र का चयन करने के लिए उसके व्यवहार, आचरण तथा चरित्र पर ध्यान देना आवश्यक होता है। सच्चा मित्र विश्वासपात्र, दूसरों की भावनाओं को समझने वाला, विनम्र, सदाचारी तथा चरित्रवान होता है।

1) आकृति पूर्ण कीजिए: [2]

i)

बाहरी चमक-दमक और बोलचाल को देखकर

↑

मित्रता अधिक दिनों तक नहीं चलती

↓

आर्थिक स्थिति को देखकर

ii)

अपने सुख-दुख को कहने-सुनने

↑

मनुष्य को दूसरों के सहयोग की आवश्यकता पड़ती है

↓

विचारों का आदान-प्रदान करने एवं कार्यो में सहयोग लेने के लिए

2) लिखिए: [2]

i) सच्चे मित्र के चयन के कौन-सी आवश्यक बातें हैं?

उत्तर : सच्चे मित्र का चयन करने के लिए उसके व्यवहार, आचरण तथा चरित्र पर ध्यान देना आवश्यक होता है।

ii) सच्चे मित्र की क्या पहचान है?

उत्तर : सच्चा मित्र विश्वासपात्र, दूसरों की भावनाओं को समझने वाला, विनम्र, सदाचारी तथा चरित्रवान होता है।

3) गद्यांश में से 'इक' प्रत्यय वाले दो शब्द ढूँढ़कर लिखें। [2]

सामाजिक, आर्थिक

4) मनुष्य के जीवन में सत्संगति के प्रभाव पर अपने विचार प्रकट करें। [2]

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहने के कारण वह अच्छे-बुरे सभी प्रकार के लोगों के संपर्क में आता है। अच्छे लोगों के साथ उठने-बैठने से मनुष्य में अच्छे गुण तथा बुरे लोगों के साथ रहने से बुरे गुण आते हैं। इस प्रकार मनुष्य पर संगति का प्रभाव पड़ता है। शराब बेचने वाले के कलश में यदि दूध भी हो तो लोग उसे शराब ही समझते हैं। मनुष्य जैसे लोगों के साथ बैठता है, वैसा ही प्रभाव ग्रहण करता है। दुर्जन

और साधु के घर पले तोते संगति के महत्त्व को स्पष्ट कर देते हैं। साधु के घर पला तोता राम-राम तथा भजन बोलता है, जबकि दुर्जन के घर पला तोता सदा गालियाँ ही देता रहता था। सत्संग के बिना मनुष्य को विवेक प्राप्त नहीं होता। जिस मनुष्य में विवेक नहीं, उसमें और पशु में कोई अंतर दिखाई नहीं देता। अत: मनुष्य को कुसंगति से दूर रहने तथा सत्संगति प्राप्त करते रहना चाहिए।

विभाग 2 : पद्‌य [18]

प्रश्न 2.

(च) पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [12]

विश्व का पालक बन जो, अमर उसको कर रहा है,
किंतु अपने पालितों के, पद दलित हो मर रहा है,
आज उससे कर मिला, नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।
क्षीण निज बलहीन तन को, पत्तियों से पालता जो,
ऊसरों को खून से निज, उर्वरा कर डालता जो,
छोड़ सारे सुर-असुर, मैं आज उसका ध्यान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।
यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीड़ित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

1) संजाल पूर्ण कीजिए : [2]

कवि की चाह -

विश्व के पालक कृषक के लिए नवीन सृष्टि का निर्माण करना	सभी सुर-असुर छोड़कर ऊसर भूमि को उर्वरा बनाने वाले कृषक का ध्यान करना।	एक-एक कण जोड़कर कृषक के लिए नीड़ का निर्माण करना

2) कविता में आए इन शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द हैं : [2]

(i) उपजाऊ - उर्वरा

(ii) किसान - कृषक

(iii) शरीर - तन

(iv) राक्षस - असुर

3) वाक्य पूर्ण कीजिए : [2]

(i) कृषक कमजोर शरीर को <u>पत्तियों से पालता है।</u>

(ii) कृषक बंजर जमीन को <u>अपने खून से सींचकर उर्वरा बना देता है।</u>

4) निम्न आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए।

1. रचनाकार का नाम [1]
2. रचना की विधा [1]
3. पसंद की पंक्तियाँ [1]
4. पंक्तियाँ पसंद होने का कारण [1]
5. रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा। [2]

1. रचनाकार का नाम - दिनेश भारद्वाज
2. रचना की विधा - गान
3. पसंद की पंक्तियाँ - दीनता का अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
4. पसंदीदा होने का कारण - कृषक के जीवन में अभाव होने के बावजूद वह किसी के सामने हाथ नहीं फैलाता। उसे अपनी इस दीन दशा पर भी अभिमान है।
5. रचना से प्राप्त प्रेरणा - कृषक दिन-रात कठिन परिश्रम कर स्वयं अभावों में रहकर संसार का पालन करता है अत: हमारा भी यह फ़र्ज बनता है कि हम कृषक के परिश्रम को समझे और उसका सम्मान करे।

(छ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर सूचनानुसार कृतियाँ कीजिए। [6]

जागो बंसीवारे ललना!
जागो मोरे प्यारे!
रजनी बीती भोर भयो है, घर-घर खुले किंवारे।
गोपी दही मथत, सुनियत है कंगना की झनकारे।।
उठो लालजी! भोर भयो है सुर-नर ठाड़े द्वारे।
ग्वाल-बाल सब करत कोलाहल, जय-जय सबद उचारै।।
माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारै।।

1) लिखिए: [2]

i) पद्यांश में इस समय की बात की गई है - भोर
ii) कृष्ण को जगाने हेतु द्वार पर ये खड़े थे - देव और मनुष्य

2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों। [2]

माखन-रोटी, ग्वाल बाल

- माखन- रोटी - ग्वाल बालों के हाथ में क्या था?
- ग्वाल बाल - कृष्ण का इंतजार कौन कर रहा है?

3) उपर्युक्त पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन करें। [2]

उत्तर : ब्रज में भोर होते ही सभी घरों के किवाड़ खुल जाते हैं। गोपियाँ दही बिलोने लगती हैं उनके कंगन खनकने से पूरा वातावरण में मधुर संगीत गूँजने लगता है। ग्वाल-बाल गौएँ चराने के लिए तैयार होने लगते हैं।

विभाग 3 : पूरक पठन **[8]**

प्रश्न 3.

अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

जिस गली में आजकल रहता हूँ - वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं है, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान है। इतने मकान कि लगता हा मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत भीड़, जो संकरी गली में फँस गई है और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठी हुई या आसमान में उड़ती हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहं-वहाँ घोसलें बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता है मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने है, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हों या चू-चू की आवाजें निकाल सकते हों।

1) कृति पूर्ण कीजिए: [2]

गली की विशेषताएँ
- आसमान नहीं दिखाई देता पड़ती है
- पेड़ नहीं हैं
- मकान पर मकान लदे लगते हैं
- न पेड़ लगाने की जगह है

2) महानगरों में आवास की समस्या इस पर अपने विचार लिखें। [2]

उत्तर : बेहतर शिक्षा, भविष्य, रोजगार आदि के लिए लोग महानगरों की ओर पलायन करते जा रहे हैं। लोगों के इस पलायन से वर्तमान में महानगरों में जनसँख्या का दवाब बढ़ता जा रहा है और इस बढ़ती जनसँख्या के किए सबसे बड़ी समस्या आवास की है। इस कारण लोग दबड़े नुमा घरों में रहने के लिए बाध्य है। जिधर देखो उधर मकान ही नजर आते हैं। जहाँ महानगरों को सुंदर और व्यवस्थित दिखना था वहीँ महानगरों का रूप दिन-प्रतिदिन बदरंग होता जा रहा है।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

काँटों के बीच
खिलखिलाता
देता प्रेरणा।
भीतरी कुंठा

आँखों के द्वार
आई बाहर
खारे जल से धुल गए विषाद
मन पावन
मृत्यु को जीना जीवन विष पीना
है जिजीविषा

1) लिखिए : निम्नलिखित हायकु द्वारा मिलने वाला संदेश [2]

- भीतरी कुंठा नयनों के द्वार से आई बाहर

  उत्तर : मन की कुंठाओं को बाहर निकाल देना चाहिए।

- मृत्यु को जीना जीवन विष पीना है जिजीविषा

  उत्तर : प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अनेक परेशानियाँ हैं, चिंताएँ हैं, और हैं अप्रिय प्रसंग ऐसे में जीवन रूपी संग्राम में डटे रहना चाहिए।

2) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

काँटों के बीच
खिलखिलाता फूल
देता प्रेरणा

उत्तर : केंद्रीय भाव - काँटों के बीच खिलखिलाता फूल प्रेरणा देता है कि जीवन में आई हुई परेशानियों से न घबराकर अपना कार्य करते रहो।

विभाग 4 : व्याकरण विभाग [18]

प्रश्न 4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

(1) i) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए। [1]

- <u>उसने</u> गाय को चारा दिया।

उसने - अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

iii) निम्नलिखित शब्द का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए [1]

दो किलोमीटर - मेरा विद्यालय घर से दो किलोमीटर की दूरी पर है।

(2) (i) निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। [1]

- हे भगवान - हे भगवान! बचाओ इस मुसीबत से।

(ii) अधोरेखांकित शब्द का शब्द भेद लिखिए: [1]

1. <u>आजकल</u> लोग ठीक से बताते भी तो नहीं।

उत्तर : क्रिया विशेषण अव्यय

(3) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: [1]

रमा, धीरे-धीरे चल।

उत्तर : धीरे-धीरे - कछुआ धीरे-धीरे चलता है।

(4) सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए। [1]

आया - छोटा भाई अपने दोस्त को घर ले आया।

(5) 'फैलना' मूल क्रिया के प्रथम प्रेरणार्थक और द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। [1]

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक

फैलना	फैलाना	फैलवाना

(6) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखें। [2]

- गाय ने चारा खा ली।

  उत्तर : गाय ने चारा खा लिया।

- अखबार में यह समाचार छपी है।

  उत्तर : अखबार में यह समाचार छपा है।

(7) काल परिवर्तन कीजिए। [2]

आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं। (सामान्य वर्तमानकाल और अपूर्ण भूतकाल)

उत्तर : आप इतनी देर से नाप-तौल करते हैं।

आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे थे।

(8) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए [1]

अरे नेहा! मिठाई भिजवाना।

अरे - संबोधन कारक

(9) निम्नलिखित शब्द का संधि विच्छेद कीजिए और भेद भी लिखिए [1]

दिग्गज - दिक्+गज - व्यंजन संधि

(10) निम्न वाक्य में उचित विरामचिह्न का प्रयोग करें [1]

भाई मिठाई बाँटों

उत्तर : भाई, मिठाई बाँटों।

(11) i) निम्न वाक्य का रचना के आधार पर भेद लिखिए: [1]

- गंगा काफी बड़ी नदी है और वर्ष भर पानी से भरी रहती है।

  उत्तर : संयुक्त वाक्य वाक्य

ii) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए। [1]

- आज फिर से मिलने जाना होगा। (संदेहार्थक वाक्य)

  उत्तर : शायद आज फिर से मिलने जाना होगा।

(12) (i) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए। [1]

खून का घूँट पीना

उत्तर : खून का घूँट पीना - मन मसोसकर रह जाना।

वाक्य : मालिक की कड़वी बातों को नौकर खून का घूँट समझकर पी गया।

(ii) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। [1]

लाउडस्पीकर की आवाज कानों को गरम कर रही थी।

(कान के पर्दे फाड़ना, कान बंद कर देना)

उत्तर : लाउडस्पीकर की आवाज कान के पर्दे फाड़ रही थी।

विभाग 5 : रचना विभाग [32]

प्रश्न 5.

(1) सरला भवन, रानडे रोड, पुणे से अपने प्रतीक/ प्रतीक्षा इनामदार, अपने मित्र/ सहेली अनिल/अनीता लोखंडे, वैशाली नगर, नागपुर को वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आने पर भेजे गए बधाई पत्र के लिए धन्यवाद देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

दिनाँक - 23/5/19

प्रिय अनीता,

मधुर स्मृति।

कल ही डाक से तुम्हारा बधाई पत्र मिला। बधाई पत्र पढ़कर मन अत्यंत प्रसन्न हुआ। तुम तो जानती ही हो मैं अभिव्यक्ति में कितनी कमजोर थी। ये तो तुम्हारे निरंतर प्रोत्साहन से मैं इस काबिल बनी हूँ। बचपन से ही तुम मुझे इस विषय पर हमेशा से प्रोत्साहित करती रही हो। इसी कारण आज मैं इस इनाम की हकदार बनी हूँ। अपनी इस उपलब्धि के लिए मैं तुम्हारी तहे दिल से आभारी हूँ।

शेष मिलने पर।

तुम्हारी सहेली,

प्रतीक्षा इनामदार

सरला भवन

रानडे रोड

पुणे

इ-मेल आईडी: pqr@abc.com

टिकट

प्रति,
अनीता लोखंडे
वैशाली नगर
नागपुर

प्रेषिका,
प्रतीक्षा इनामदार
सरला भवन
रानडे रोड
पुणे
इ-मेल आईडी: pqr@abc.com
दिनाँक - 23/5/19

राकेश /रमा मिश्र, सी-304 सेक्टर 8, नोएडा से, संपादक दैनिक जागरण, नई दिल्ली को अपनी कविता अखबार में छपवाने के लिए पत्र लिखता/लिखती है।

दिनाँक : 1 फरवरी, 20XX

सेवा में
संपादक
दैनिक जागरण
नई दिल्ली

विषय : अपनी कविता छपवाने हेतु आग्रह पत्र।

महोदय

मैं आपके पत्र का नियमित पाठक हूँ। समाचार पत्र के रविवारीय अंक को तो मैं विशेष रूप से संभाल कर रखता हूँ। आपके रविवारीय संस्करण के 'बाल मन' पृष्ठ पर मैं भी अपनी कविता छपवाने का इच्छुक हूँ। अतः मैं आपको

एक छोटी सी कविता भेज रहा हूँ। आशा है कि आप मेरी इस कविता को अपने पत्र में स्थान देगें।

धन्यवाद

भवदीय

राकेश मिश्र

सी-304 सेक्टर 8

नोएडा

ई-मेल आईडी: pqr@abc.com

टिकट

प्रति,

संपादक,

दैनिक जागरण,

नई दिल्ली।

प्रेषक,

राकेश मिश्र

सी-304 सेक्टर 8

नोएडा

ई-मेल आईडी: pqr@abc.com

दिनाँक : 1 फरवरी, 20XX

(2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों: [5]

वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है क्योंकि प्रकृति में रहनेवाला हर एक प्राणी वर्षा पर ही निर्भर होकर जीता है। जल में रहनेवाले, भूमि पर रहनेवाले, आकाश में उड़नेवाले सभी प्राणियों के लिए वर्षा ही जीवन का आधार है। पानी के बिना पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, मानव, जलचर कोई प्राणी जीवित नहीं रह सकते। पानी वर्षा से ही आता है। मानव को हर एक काम के लिए पानी की अत्यंत आवश्यकता

है। अन्य प्राणी भी पानी के बिना जीवित नहीं रह सकते। फसलों के लिए भी पानी की आवश्यकता है। पानी के बिना फ़सल सूख जाते हैं।

इनसे हम कह सकते हैं कि वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है।

1. जीवन का आधार क्या है?
2. पानी के बिना कौन जीवित नहीं रह सकते?
3. फसलों का पानी के बिना क्या परिणाम होता है?
4. पानी की प्राप्ति का मुख्य स्रोत क्या है?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

(3) वृत्तांत लेखन

साईं नगर रहिवासी संघ द्वारा कोंकण फूड फेस्टिवल के आयोजन पर लगभग 60-80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए। [वृत्तांत लेखन में स्थान,समय घटना का उल्लेख आवश्यक है।]

कोंकण फूड फेस्टिवल

साईं नगर रहिवासी संघ द्वारा कोंकण फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया था। इस बार क्रिसमस की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए संघ द्वारा नागरिकों और बच्चों के लिए कोंकण फूड फेस्टिवल का आयोजन 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक सुबह 11 बजे से शाम को दस बजे तक किया गया था। फेस्टिवल में कोंकण भाग से संबंधित सभी तरह के खान-पान का आयोजन किया गया

था। फूड फेस्टिवल के साथ ही उस भाग से जुड़ी अन्य कई बातों की जानकारी देने के लिए कोंकण निवासी श्रीमान शांताराम नाईकजी को भी बुलाया गया था। जिन्होंने अपने वक्तव्य में कोंकण खानपान और रहन-सहन से जुड़ी कई रोचक जानकारी नागरिकों के साथ साझा की। फूड फेस्टिवल के मुख्य आकर्षण का केंद्र वहाँ के मांसाहारी भोजन रहे।

(4) निम्नलिखित जानकारियों के आधार पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए।

चमकी फिनाइल

चमकी फिनाइल	विशेषता	संपर्क

[5]

चमकी फिनाइल

चमकाना है घर का हर एक कोना,

चमकी फिनाइल जैसा नहीं कोई होगा

(5) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक और सीख भी दीजिए: [5]

चार चोर ____ धन चुराना ____ बँटवारे के लिए जंगल में जाना ____ भूख लगना ____ दोनों का मिठाई लाने नगर में जाना ____ मन में पाप ____ मिठाई में जहर मिलाना ____ जंगल के दोनों चोरों की भी नीयत बिगड़ना ____ हाथ-मुँह धोने के बहाने कुएँ पर ले जाना ____ कुएँ में धकेलना ____ शेष दोनों का मिठाई खाना ____ परिणाम।

एक बार चार चोर मिलकर अमीर सेठ के घर पर चोरी करते हैं। उन्हें वहाँ से बहुत सा धन, हीरे, सोने के हार, कंगन बहुत कुछ मिलता है। वह बहुत खुश हो जाते हैं। वे वहाँ से भागकर जंगल की ओर जाते हैं। जंगल में चारों ने आराम किया। भूख लगने पर दो चोर जंगल से गाँव में मिठाई खरीदने के लिए जाते हैं। रास्ते में उनकी नियत खराब होने लगती है। दोनों ने अपने साथियों को चोरी का माल पाने के लिए जहर वाली मिठाई खिलाने का निश्चय किया। उधर दूसरे दोनों ने भी उन्हें पानी में धक्का देकर अपने साथियों को मारने की योजना बनाई।

दोनों ने मिलकर अपने साथियों को जहर वाली मिठाई खिला दी । सब पानी पीने गए और दूसरे दोनों ने उन्हें पानी में गिरा दिया फिर अंत में बचे हुए दोनों जहर से तड़प कर मर गए।

सीख : 'जैसा करोगे, वैसा पाओगे'।

(6) किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में निबंध लिखिए।

जल है तो कल है [7]

जल जीवन का सबसे आवश्यक घटक है और जीविका के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह समृद्र, नदी, तालाब, पोखर, कुआँ, नहर इत्यादि में पाया जाता है। जल मनुष्य की बहुत बड़ी आवश्यकता है, इसके बिना हमारे जीवन की कल्पना

करना कठिन है। मानव शरीर में दो तिहाई मात्रा पानी की है। इससे स्पष्ट है कि जल का हमारे जीवन में कितना महत्त्व है। पृथ्वी के हर जीव के लिए जल की बहुत आवश्यकता होती है।

हमारे जिंदगी में हम पानी का इतना इस्तेमाल करते है कि हम अक्सर उसका महत्त्व भूल जाते हैं। कही नल बंद नहीं करते है तो कही और पानी को फ़ेंक देते हैं। परन्तु यह साधारण दिखने वाली चीज़ असल में सबसे महत्त्वपूर्ण है। जल जीवन के लिए जरूरी है लेकिन दुर्भाग्य कि बात है कि संसार के कई हिस्सों में लोगों को सेहतमंद रहने के लिए जितना पानी जरूरी है वह उन्हें मिल नहीं पाता। राजस्थान, जैसलमेर और अन्य रेगिस्तानी इलाकों में पानी आदमी की जान से भी ज्यादा कीमती है। पीने का पानी इन इलाकों में बड़ी कठिनाई से मिलता है। बहुत बार लोगों को पानी के लिए मीलों चलना पड़ता है और तब भी उन्हें जो पानी मिलता है उसकी तुलना किसी अमृत से कम नहीं होती।

मनुष्य के शरीर में यदि पानी की कमी हो जाए तो उसको बहुत सी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। परन्तु विडंबना देखिए हम मनुष्य ने अपने इस जीवनदायी अमृत को दूषित करना प्रांरभ कर दिया है। प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गँवाएँ यह प्रण लेना आज के वर्तमान समय में बहुत आवश्यक है। पानी हमारे जीवन की पहली प्राथमिकता है, इसके बिना तो जीवन संभव ही नहीं क्या आपने कभी सोचा कि धरती पर पानी जिस तरह से लगातार गंदा हो रहा है और कम हो रहा है, अगर यही क्रम लगातार चलता रहा तो क्या हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा? कितनी सारी आपदाओं का सामना करना पड़ेगा और सबकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाएगी।

ताज़े पानी के महत्त्व पर ध्यान केन्द्रित करने और ताज़े पानी के संसाधनों का प्रबंधन बनाये रखने के लिए राष्ट्र संघ प्रत्येक वर्ष 22 मार्च का दिन

अंतर्राष्ट्रीय जल दिवस के रूप में मनाता है। जल संरक्षण से ही हम पानी की कमी को कम कर सकते हैं। जल संरक्षण अपने पीने के पानी की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। सफाई, निर्माण एवं कृषि आदि के लिए अवशिष्ट जल का पुनःचक्रण (रिसाइक्लिंग) करना।

इस लिए हमें जल बचाने के लिए स्वयं विचार करना होगा। सब्जी, बरतन आदि धोने के बाद बाल्टी में जमा उस पानी को पौधों में डाल दें, पोंछा लगा लें, फर्श की धुलाई, कार धोने या टॉयलेट में गिराने के काम ले आएँ। बहते नल को जल्द से जल्द ठीक कराएँ। दाँत आदि साफ करते वक्त जरूरत पड़ने पर ही नल चलाना चाहिए। अपने पालतू जानवरों को गार्डन में नहलाएँ, ताकि पानी घास व पौधों को मिल सके। धरती में गढ्डे आदि खोदकर उसमें वर्षा का जल जमा करें। इस प्रकार हम कह सकते हैं जल है तो कल है।

'मन के हारे हार है मन के जीते जीत'

किसी विद्वान ने क्या खूब कहा है - "मन के हारे हार मन के जीते जीत है" इस वाक्य का यदि आप गहराई से अवलोकन करें तो इस वाक्य की सार्थकता का पता चलता है कि मन कितना शक्तिशाली है जो किसी को भी पराजित या विजयी कर सकता है। और ये वास्तविकता भी है कि हमारा मन ऐसा कर सकता है क्योंकि हमारे शास्त्रों में मन को ही बंधन और मन को ही मुक्ति का कारण माना गया है। शुद्ध, शांत, निर्मल और स्थिर मन मनुष्य को उत्कर्ष की ओर ले जाता है वही पर चंचल, अस्थिर कुलषित एवं कुसंस्कारों से भरा हुआ मन मनुष्य को पतन व पराभव के मार्ग पर धकेलता है।

मनुष्य का जीवन परिवर्तनशील है जिस प्रकार मौसम में बदलाव देखने को मिलते हैं ठीक उसी प्रकार मानव-जीवन में निराशा-अवसाद, लाभ-हानि, सफलता-असफलता आते और जाते रहते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव-जीवन में कुछ भी स्थिर नहीं रहता। कभी तो काले घटाओं के बादल

घिर आते हैं और मनुष्य अवसाद ग्रस्त हो जाता है परंतु थोड़े ही समय के पश्चात सुखों की बारिश के रूप में मनमोहक इन्द्रधनुष भी मानव-जीवन में आता है जीवन के इन्हीं कड़वे-मीठे अनुभवों से गुजरने का नाम जीवन है। इसलिए जीवन को जीने के लिए मानव को सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। जहाँ अच्छा वक्त हमें खुशी देता है, वहीं बुरा वक्त हमें आने वाले भविष्य के लिए सक्षम बनाता है। कुछ लोग अपनी पहली ही असफलता पर हार मान लेते हैं और निराशा के अंधकार में खो जाते हैं। अब्राहम लिंकन के बारे में कौन नहीं जानता उम्र के 52 वर्ष में वे अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। क्या वे चुनाव हारने के बाद निराश नहीं हुए होंगे? क्या उन्हें अवसाद या निराशा न घेरा होगा? जरुर उन्होंने ने भी इन सब का सामना किया होगा परंतु हिम्मत, सहनशीलता और आत्मविश्वास के कारण ही अंत में वे सफल हुए।

मनुष्य ने जिस क्षण स्वयं को कमज़ोर, लाचार और निर्बल महसूस करना शुरू कर दिया समझो उसी क्षण उसकी हार निश्चित हो जाती है। मानव को दो विकल्पों के बीच सदैव चुनाव करना पड़ता है और यह उसका मानसिक स्तर, उसका विवेक है कि वह क्या चुनता है। मानसिक रूप से सबल और सचेत व्यक्ति सदैव आगे बढ़ने की बात करता है उसके लिए भाग्य जैसी बातें सिर्फ शब्द होते है उसे अपने पुरुषार्थ पर विश्वास होता है। वह निराशा में भी आशा की किरण खोज लेते है उनके लिए हर वक़्त शुरुआत का वक़्त होता है।